

माता यशोदा भूना झुलाये
सखियाँ चलीं जगाने, कन्हैया सो रहा है
कन्हैया सो रहा है

ओ मेरे मोहना- लागे नजर न किसी नार की
टीका काजल का लगाया- बातें करें बड़े प्यार की
देख सखी का मन ललचाया- और गले से लगाया
कन्हैया भा गया है--- माता---

नंद बाबा के द्वारे- भीड़ लगी है ग्वाल वालों की
कान्हा को लेने आये- नहीं चिंता उन्हें काहू की
खेल- खेल में कूदे कान्हा- जा जमुना में जाके
कहाँ फिर खो गया है--- माता---

यमुना किनारे यशुदा- रो-रो पुकारे अपने लाल को
नंद बाबा भी रोयें- फेंको रे- यमुना में जाल को
रो-रो हारे सब नर-नारी- नागनाथ फिर आया
कन्हैया आ गया है--- माता---

बृज को बचाने मोहन- देखो चला है बड़ी चाल से
आँच न आने पाये- और बचाये सबको काल से
तेरी लीला अजब कन्हैया है "श्री बाबा श्री" हर्षाये
तुम्हीं में खो गया है--- माता---